दो वर्ष में पूरी तरह से साफ हो जाएगी यमुना नदी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : यमुना को साफ करना बड़ी चुनौती है। नदी में प्रदूषण बढ़ने से राजधानी में पेयजल आपूर्ति की समस्या भी होती है। दिल्ली सरकार इस समस्या के समाधान के लिए लगातार काम कर रही है। बजट में इसके लिए प्रविधान भी किए गए हैं। सरकार ने अगले दो वर्ष में यमुना को प्रदूषण मुक्त करने की घोषणा की है। सरकार का संकल्प है कि एक बूंद भी गंदा पानी इस पवित्र नदी में नहीं गिरेगा।

यमुना के दूषित होने का बड़ा कारण इसमें गिरने वाले नाले हैं। नाले का पानी बिना शोधित किए नदी में गिर रहा है जिससे प्रदूषण बढ़ रहा है। इस समस्या को दूर करने के लिए कई परियोजनाओं पर काम चल रहा है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का काम शीघ्र पूरा करने की कोशिश हो रही है। यमुना में गिरने वाले नालों का पानी इकट्ठा कर एसटीपी में ले जाकर शोधित किया जाएगा। अन्य तरीके से भी नालों का पानी साफ किया जाएगा। दिल्ली की 675 झुग्गी बस्तियों का गंदा पानी भी यमुना में गिरता है। इसे रोकने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इसी तरह से अनधिकृत कालोनियों में सीवर लाइन बिछाने से भी समस्या हल करने में मदद मिलेगी। इन सभी परियोजनाओं का काम पूरा होने के बाद यमुना में गंदा पानी नहीं गिरेगा। काम में तेजी लाने के लिए सरकार ने पिछले वर्ष यमुना सफाई प्रकोष्ठ का गठन किया है।

गीता कालोनी के पास यमुना किनारे पड़ी उपयोग की गई पूजन सामग्री ● जागरण आर्काइव

गंदे नाले और सीवर के पानी को शोधित कर इसके इस्तेमाल करने की नीति तैयार की गई है। इसके तहत शोधित पानी को हरित क्षेत्र, वन, फार्म हाउस और बागवानी विभाग को सिंचाई के लिए दिया जाता है। आने वाले दिनों में इसे और बढ़ावा दिया जाएगा। इस प्रयास से न सिर्फ यमुना को साफ करने में मदद मिलेगी बल्कि भूजल स्तर में भी सुधार होगा। सिंचाई के लिए बोरवेल का प्रयोग होता है जिससे भूजल स्तर नीचे गिर रहा है। शोधित जल का इस्तेमाल सिंचाई में होने पर बोरवेल बंद होंगे।